भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
11.12.2014 को राज्य सभा में
पूछा जाने वाला अतारांकित प्रश्न संख्या : 2036

नए यूरेनियम भंडार का सर्वेक्षण

2036. श्री अम्बेथ राजन :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार देश में मौजूद यूरेनियम भंडारों के अलावा नए भंडारों के सर्वेक्षण हेतु कोई कंदम उठा रही है; और

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) जी, हाँ।

(ख) परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय (एएमडी), जोकि परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) का एक संघटक यूनिट है, को, देश में यूरेनियम स्त्रोतों सहित परमाणु खनिजों का सर्वेक्षण करने और उनका पता लगाने का अधिदेश प्राप्त है। तदनुसार, परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय, बहुविषयक सर्वेक्षण और अन्वेषण करके अपने प्रयासों को जारी रखता है, नामत: (i) वायुवाहित विकिरणमितीय तथा भू-भौतिकीय (चुम्बकीय तथा काल-प्रक्षेत्र वैद्युत चुम्बकीय) सर्वेक्षण तथा (ii) भौम भू-भौतिकीय, विकिरणमितीय, भू-वैज्ञानिक तथा भू-रासायनिक सर्वेक्षण। इसके अतिरिक्त, आधुनिक जल स्थैतिक वेधन-रिग्ज़ को काम में लाकर अधस्तलीय वेधन के माध्यम से नए यूरेनियम भंडारों का पता लगाने के लिए संभावित क्षेत्रों का अन्वेषण किया जाता है। सर्वेक्षण और अन्वेषण संबंधी कार्यकलापों के साथ-साथ, आधुनिक विश्लेषक तकनीकों को उपयोग में लाकर शैल खनिजीय, विकिरणमितीय तथा रासायनिक विश्लेषण किए जाते हैं। परमाणु खनिज अन्वेषण एवं अनुसंधान निदेशालय ने, अब तक, यूरेनियम ऑक्साइड (U_3O_8) के 2,14,158 (टन) स्वस्थाने स्त्रोतों का पता लगाया है।

* * * * * * *